NEWS CLIPPING:16.06.2022

THE TRIBUNE

EDUCATION NOTES

MINOR DEGREE CONCEPT INTRODUCED

Faridabad: JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has introduced the concept of minor degree in all BTech courses. Giving details, University Vice-Chancellor Prof SK Tomar said the minor degree concept was being introduced in Computer Engineering and Electronics Engineering Departments from this academic session. Courses such as computer vision, artificial intelligence and machine learning, IoT, biomedical and others are being introduced.

NEWS CLIPPING:16.06.2022

HINDUSTAN

वाईएमसीए में बीटेक से माइनर डिग्री शुरू होगी

फरीदाबाद, कार्यालय संवाददाता। इंजीनियरिंग छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद अपने बीटेक पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 से उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ माइनर डिग्री शुरू करने की तैयारी पूरी हो चुकी है।

यह निर्णय हाल ही में हुई विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की बैठक में लिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने कहा कि शुरुआती चरण में विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2022-23 से कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता के पाठ्यक्रम माइनर डिग्री के रूप में शुरू कर रहा है।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, ब्लॉकचैन, साइबर सुरक्षा और एडवांस वेब डेवलेपमेंट की विशेषज्ञता को माइनर डिग्री के रूप में शुरू किया गया है। इसी तरह से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, आईओटी और बायोमेडिकल में माइनर डिग्री विशेषज्ञता शुरू की जा रही है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.06.2022

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस विवि में बीटेक में माइनर डिग्री की शुरुआत

विद्यार्थी मुख्य डिग्री के साथ माइनर डिग्री भी कर सकेंगे

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

इंजीनियरिंग छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए बीटेक पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 से माइनर डिग्री भी शुरू करने जा रहा है। यह निर्णय हाल ही में हुई विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद की बैठक में लिया गया। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, ब्लॉकचैन, साइबर सुरक्षा और एडवांस वेब डेवलपमेंट की विशेषज्ञता को माइनर डिग्री के रूप में शुरू किया गया है। इसी तरह से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, आईओटी और बायोमेडिकल में माइनर डिग्री विशेषज्ञता शुरू की जा रही है।

जानिए... मेजर या माइनर डिग्री में क्या अंतर है

मेजर डिग्री पाठ्यक्रम प्राथमिक एवं मुख्य डिग्री पाठ्यक्रम होता है जबकि माइनर अतिरिक्त विषय हैं जो मुख्य डिग्री पाठ्यक्रम से संबंधित हो भी सकते हैं और नहीं भी। माइनर डिग्री मुख्य डिग्री से हटकर विशेषज्ञता का अतिरिक्त पाठ्यक्रम होती है।

NEWS CLIPPING:16.06.2022

PIONEER

जेसी बोस द्वारा बीटेक में 'माइनर डिग्री' शुरू

बीटेक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी मुख्य डिग्री के साथ-साथ कर सकेंगे माइनर डिग्री

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विश्वविद्यालय की एक कार्यशाला में तकनीकी जानकारी प्राप्त करते विद्यार्थी। फाइल फोटो

इंजीनियरिंग छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद अपने बीटेक पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 से उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ माइनर डिग्री शुरू करने जा रहा है।

यह निर्णय हाल ही में हुई विवि अकादमिक परिषद् की बैठक में लिया। विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर ने कहा कि शुरुआती चरण में विवि शैक्षणिक सत्र 2022-23 से कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता के पाठ्यक्रम माइनर डिग्री के रूप में शुरू कर रहा है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, ब्लॉकचैन, साइबर सुरक्षा और एडवांस वेब डेवलपमेंट की विशेषज्ञता को माइनर डिग्री के रूप में शुरू किया गया है। इसी तरह से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, आईओटी और बायोमेडिकल में माइनर डिग्री विशेषज्ञता शुरू की जा रही है। कुलपति तोमर ने कहा कि माइनर डिग्री पाठ्यस्त्र5म मूल रूप से ऐसे विशेषज्ञ विषय है, जिन्हें इस समय अंडरग्रेजुएट डिग्री में कवर नहीं किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING:16.06.2022

AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीटेक पाठ्यक्रमों में माइनर डिग्री की शुरुआत

बीटेक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी मुख्य डिग्री के साथ कर सकेंगे माइनर डिग्री

■ कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे उभरते विषयों में माइनर डिग्री का अवसर

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। इंजीनियरिंग छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद अपने बीटेक पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 से उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ माइनर डिग्री शुरू करने जा रहा है। यह निर्णय हाल ही में हुई विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की बैठक में लिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कुलपति प्रो एसके तोमर ने कहा कि शुरुआती चरण में विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2022-23 से कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता के पाठ्यक्रम माइनर डिग्री के रूप में शुरू कर रहा है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और एडवांस वेब डेवलपमेंट की विशेषज्ञता को माइनर डिग्री के रूप में शुरू किया गया है।

इसी तरह से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर विजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, आईओटी और बायोमेडिकल में माइनर डिग्री विशेषज्ञता शुरू की जा रही है।

माइनर डिग्री अवधारणा के बारे में विस्तार से बताते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर ने कहा कि माइनर डिग्री पाठ्यक्रम मूल रूप से ऐसे विशेष विषय है, जिन्हें इस समय अंडरग्रेजुएट डिग्री में कवर नहीं किया जा रहा है। एआईसीटीई ने इंजीनियरिंग संस्थानों को स्वीकृत सीटों पर माइनर डिग्री के रूप में उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता के पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति दी है। माइनर डिग्री अवधारणा से विद्यार्थियों को उभरते क्षेत्रों में गहन अध्ययन करने का अवसर मिलेगा और उनका रोजगार कौशल बढ़ेगा। इस तरह इंजीनियरिंग के विषयों में अंतः विषय दृष्टिकोण भी विकसित होगा। निदेशक (एडमिशन) डॉ मनीषा गर्ग ने बताया कि एआईसीटीई के दिशा-निर्देशानुसार मुख्य विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के लिए आवश्यक क्रेडिट (जो 160 क्रेडिट तक है), के अलावा छात्र को माइनर डिग्री के लिए 18 से 20 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। इस प्रकार, माइनर डिग्री पाठ्यक्रम लेने वाले छात्र को मुख्य डिग्री के लिए जरूरी 160 के अलावा कम से कम 18 से 20 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। माइनर डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों की डिग्री पर इसका उल्लेख किया जाएगा। उन्होंने बताया कि माइनर डिग्री पाठ्यक्रम की शुरुआत बीटेक इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष से होगी।

विश्वविद्यालय की एक कार्यशाला में तकनीकी जानकारी प्राप्त करते हुए विद्यार्थी।

मेजर या माइनर डिग्री में क्या अंतर है

मेजर डिग्री पाठ्यक्रम प्राथमिक एवं मुख्य डिग्री पाठ्यक्रम होता है जबकि माइनर अतिरिक्त विषय है जो मुख्य डिग्री पाठ्यक्रम से संबंधित हो भी सकते हैं और नहीं भी। मूल रूप से एक माइनर डिग्री मुख्य डिग्री से हटकर विशेषज्ञता का अतिरिक्त पाठ्यक्रम होती है। माइनर डिग्री के विशिष्ट पाठ्यक्रम में एक से अधिक इंजीनियरिंग शाखाओं के विषय हो सकते हैं जोकि विषय में गहन अध्ययन का अवसर प्रदान करती है।